an>

Title: Regarding problems faced by labourers of Kathara Washery of Central Coalfields Ltd. in Jharkhand.

श्री रवीन्द्र कुमार पाण्डेय (गिरिडीह): महोदया, आपने मुझे शून्यकाल में बोलने का अवसर दिया, इसके लिए आपका धन्यवाद।

हमारे यहाँ कोल इण्डिया की अनुषांगिक इकाई सीसीएल अंतर्गत कथारा एरिया के वाशरी में 117 और स्वांग वाशरी में कार्यरत 42 प्लांट क्लिनिंग मजदूर जो विगत 20 वर्षों से ठेकेदार के अंतर्गत काम कर रहे थे। 25-11-2016 से बिना कोई पूर्व सूचना दिए अचानक कथारा क्षेत्र के महाप्रबंधक के आदेश पर उन्हें काम से बैठा दिया गया। ये सभी मजदूर सी.एम.पी.एफ. के सदस्य भी हैं और उन्हें वोकेशनल ट्रेनिंग भी दी गई है। क्षेत्रीय प्रबंधन द्वारा हाई पावर कमेटी की अनुशंसा के तहत जून 2016 तक इन्हें वेतन का भुगतान भी किया गया है। ये सभी मजदूर आसपास के गांवों के विस्थापित हैं, भू-अर्जन प्रभावित क्षेत्रों के हैं और गरीबी रेखा के नीचे रहने वाले हैं। लगभग पाँच माह से स्वांग वाशरी में मजदूरों को बिठाकर रखा गया है। तीन माह से इन लोगों को वेतन भी नहीं दिया गया है। वहाँ आन्दोलन हुआ। हम लोगों ने भी अपने स्तर से बात की, लेकिन प्रबंधन का इस पर कोई सकारात्मक जवाब नहीं है। आज की तारीख में इनके नाम पर करोड़ों रुपये का फंड कहाँ जा रहा है, यह भी समझने की बात है। जो वहाँ का कोयला स्टॉक है, उसकी सफाई करने के लिए मजदूरों की आवश्यकता है। वहाँ कोयले के स्टॉक में आग लगी हुई है और मजदूरों के अभाव में करीब 5-6 टन कोयले में आग लग चुकी है और इससे सी.सी.एल. को करोड़ों रुपये का नुकसान हो रहा है।

महोदया, आपसे आग्रह है कि इस पर कार्रवाई की जाये और मजदूरों को न्याय मिले। धन्यवाद।

माननीय अध्यक्ष: कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल और श्री भैंरो प्रसाद मिश्रा को श्री रवीन्द्र कुमार पाण्डेय द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।